• बी॰ए॰ भूगोल
पार्ट – I
पत्र – II
इकाई – III

चीन का भौतिक प्रदेश
Physiography of China

• बोलेन्द्र कुमार अगम
सहायक प्राध्यापक
भूगोल विभाग
राजा सिंह कॉलेज, सीवान

एशिया महाद्वीप में स्थित चीन एक विशाल देश है। इसकी जनसंख्या विश्व के देशों में सर्वाधिक है जबकि क्षेत्रफल के हिसाब चौथे नम्बर पर आता है। इसका क्षेत्रफल यूरोप के बराबर है। पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण करीब 5000 km विस्तार में फैला है। स्वभाविक है कि धरातल पर पर्याप्त विषमताएँ होंगी।

भौतिक विभाग
Physical division

चीन में पर्वत, पठार तथा मैदान सभी प्रकार की स्थलाकृतियाँ पाई जाती हैं।

स्थलरूप	भूभाग का प्रतिशत
पर्वत	50 %
पठार	35 %
मैदान	15 %
कुल	100 %

पर्वत इस प्रकार संपूर्ण चीन का अधिकांश भाग पर्वतीय या पठारी है। चीन में अधिकतर पर्वत श्रृंखलाएँ पूरब – पश्चिम विस्तृत हैं जिन्हें तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं –

1. **प्रथम पर्वत श्रृंखला :** यह पर्वत श्रृंखला चीन के उत्तरी भाग में स्थित है जिसमें निम्नलिखित पर्वत श्रेणियाँ हैं –
   i) तियेनशान
   ii) महान खिंगन
   iii) लघु खिंगन

उपरोक्त तीनों श्रेणियों में तियेनशान सबसे प्रमुख पर्वत है। यह चीन के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है। यह एक मध्यम ऊँचाई का पर्वत है जिसकी औसत ऊँचाई 2200 m. है। यह पर्वत तारिम बेसिन को घेरे हुए है।

2. **द्वितीय पर्वत श्रृंखला :** यह पर्वतक्रम चीन के मध्यभाग में फैला है। यह पामीर गाँठ से निकला है। इसमें निम्नलिखित श्रेणियाँ हैं –
   i) कुनलुनशान श्रेणी
   ii) अल्टाइटांग श्रेणी
   iii) नानशान श्रेणी
   iv) सिंगलिंगशान श्रेणी
   v) ताइहान श्रेणी

Scanned with CamScanner

उपरोक्त पर्वत श्रेणियों में सिंगसिंगशान सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण पर्वत माना जाता है। ये सभी पर्वत श्रेणियाँ भी निम्न मध्यम ऊँचाई की हैं जिनका औसत ऊँचाई 1500 m है।

3. तीसरा पर्वत श्रृंखला : यह पर्वत क्रम चीन के दक्षिणी भाग में विस्तृत है। इसमें निम्नलिखित पर्वत श्रेणियाँ हैं- i) हिमालय
ii) नानलिंगशान

ये श्रेणियाँ पामीर से निकलती हैं। इसमें नानलिंगशान पर्वत श्रेणी महत्त्वपूर्ण है जो यांगटिसीक्यांग के मध्य में विस्तृत है।

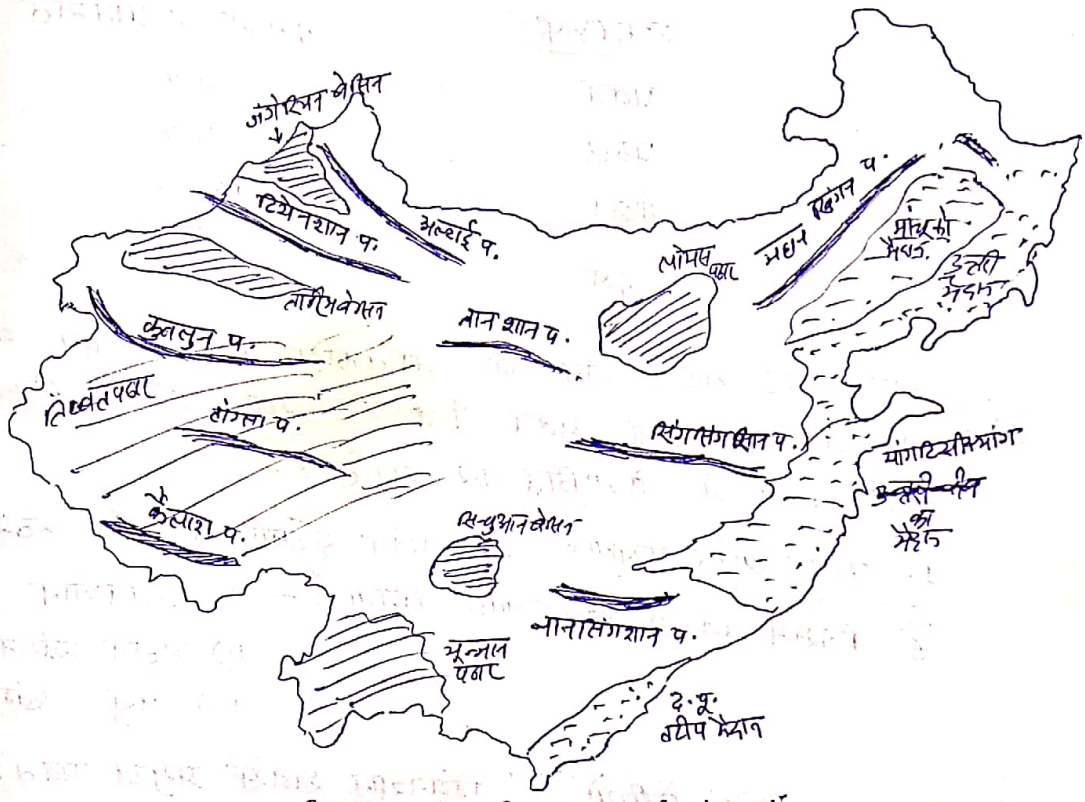

चित्र: चीन की प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ, पठार व मैदानी भाग

पठार

चीन का लगभग एक तिहाई भूभाग पठारी है। चीन के उत्तरी भाग में गोबी तथा लोयस के पठारों का विस्तार है। चीन के उत्तर-पश्चिम में स्थित लोयस पठार विस्तृत भाग में फैला हुआ है। हलांकि यह पठार अनेक स्थानों पर कटा-फटा है। यह मरुस्थल के धूल कणों के निक्षेप से बना है। इसी पठार में पीली नदी घाटी (हवांग हो नदी) अनेक स्थलाकृतियों को जन्म देती है।

Scanned with CamScanner

चीन के प्रमुख पठार – लोयस पठार
यून्नान पठार
तिब्बत का पठार

चीन के दक्षिण-पश्चिम भाग में म्यानमार की सीमा से लगता हुआ पठार है – यून्नान पठार। यह अत्यंत प्राचीन कठोर चट्टानों से निर्मित है। यह अत्यंत ही कटा-फटा है। इसकी औसत ऊँचाई लगभग 1500 m. है।

तिब्बत का पठार : इसे पामीर की पठार और विश्व की छत भी कहते हैं क्योंकि इसकी औसत ऊँचाई 4500 m है जिसकारण यहाँ भी पर्वत श्रेणियों पर सालों भर बर्फ जमा रहता है। यह विश्व का सबसे ऊँचा पठार है। यह चीन के पश्चिमी भाग में पाया जाता है। यह पठार भी काफी उबड़-खाबड़ है।

मैदान

हलांकि चीन भी एक विशाल क्षेत्रफल वाला देश है किन्तु यहाँ मैदानों का अभाव है। यहाँ संपूर्ण भूभाग का 15% ही मैदानी भाग है। ये मैदान चीन की विशाल नदियों द्वारा निर्मित है।

चीन के प्रमुख मैदान निम्नलिखित हैं–
i) उत्तरी चीन का मैदान
ii) यांगटीज का मैदान
iii) सीक्यांग का मैदान
iv) द. पूर्वी तटीय मैदान
v) मांचूको मैदान आदि.

इन उपरोक्त मैदानों में उत्तरी चीन का विशाल मैदान या ह्वांग-हो नदी का मैदान सबसे महत्त्वपूर्ण है। यह चीन का सबसे बड़ा व समतल मैदान है। समुद्र तल से इसकी ऊँचाई 40m है। यह विश्व के सर्वाधिक उपजाऊ भागों में से है। इस मैदानी भाग में चीन के कृषि योग्य भूमि का 40% और आबादी का 30% स्थित है।

यांग टिसीक्यांग चीन की सबसे बड़ी नदी है। सिक्यांग का मैदान चावल की कृषि के लिए प्रसिद्ध है।

इस प्रकार उपरोक्त विवरणों से स्पष्ट है कि चीन की विशालता अपने भीतर अनेक प्रकार की प्राकृतिक स्थलाकृतियाँ छिपाए हुए है जिसमें पर्वत, पठार तथा मैदान प्रमुख है।

[signature]

Scanned with CamScanner